



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

22 माघ 1932 (श0)
(सं0 पटना 37) पटना, शुक्रवार, 11 फरवरी 2011

सं० 2/सी0- 3044/2008 -सा0 प्र0-73
सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

4 जनवरी 2011

श्री रवि भूषण (बि0प्र0से0), कोटि क्रमांक 1031/04, 857/08 तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, बाराचट्टी, गया के विरुद्ध बाराचट्टी प्रखंड कार्यालय की चहारदीवारी पर कंटीले तार लगाये जाने में बरती गई वित्तीय अनियमितता, योजना स्थल पर किया गया कार्य स्वीकृत प्राक्कलन के अनुरूप नहीं होने, गलत विपत्र का सत्यापन करने, प्रशासनिक विफलता, योजना के कार्यान्वयन में नियंत्रण का अभाव तथा अपने दायित्वों के प्रति गंभीर नहीं होने, पर्यवेक्षण सही ढंग से नहीं करने एवं कार्य का गलत प्रमाण-पत्र देने संबंधी प्रतिवेदित आरोपों के आलोक में श्री भूषण, बि0प्र0से0, द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण, जिला पदाधिकारी, गया द्वारा प्रेषित जाँच प्रतिवेदन तथा ग्रामीण विकास विभाग, बिहार, पटना से प्राप्त अनुशंसा के आलोक में समीक्षोपरांत सरकार के आदेशानुसार बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 17 (2) में निहित प्रावधानों के आलोक में इनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संकल्प संख्या 6223, दिनांक 20 जून 2008 के द्वारा संचालित की गई। संचालन पदाधिकारी, आयुक्त, मगध प्रमंडल गया को नियुक्त किया गया।

2. आयुक्त, मगध प्रमंडल गया-सह-संचालन पदाधिकारी ने विभागीय कार्यवाही में सुनवाई के पश्चात् अपने पत्रांक 4364, दिनांक 13 दिसम्बर 2008 के द्वारा अपना जाँच प्रतिवेदन मंतव्य सहित विभाग को समर्पित किया।

3. संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन, प्रतिवेदित आरोप पर आरोपित पदाधिकारी द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गई। समीक्षोपरांत प्रमाणित आरोपों के लिए सरकार के निर्णयानुसार श्री भूषण को संचयात्मक प्रभाव से तीन वेतन-वृद्धि रोकने का निर्णय लिया गया।

4. उक्त निर्णय के आलोक में संचालन पदाधिकारी आयुक्त, मगध प्रमंडल गया से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन की प्रति आरोपित पदाधिकारी, श्री भूषण, बि0प्र0से0, को भेजते हुए कारण पृच्छा की मांग विभागीय पत्रांक 5418, दिनांक 9 जून 2009 के द्वारा की गई। श्री भूषण ने पत्रांक 20, दिनांक 27 जुलाई 2009 के द्वारा कारण पृच्छा विभाग में समर्पित किया, जिसकी पुनः समीक्षा की गई। श्री भूषण द्वारा अपने कारण पृच्छा में पुनर्विचार हेतु न तो कोई तथ्य ही प्रस्तुत किया गया, न कोई साक्ष्य ही। समीक्षोपरांत उक्त लिये गये निर्णय को बरकरार रखने का निर्णय लिया गया।

5. श्री भूषण के विरुद्ध सरकार द्वारा लिये गये निर्णय, प्रतिवेदित आरोप, संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन तथा कारण पृच्छा की प्रति बिहार लोक सेवा आयोग, पटना को विभागीय पत्रांक 10944, दिनांक

09 नवम्बर 2009 के द्वारा प्रेषित करते हुए श्री भूषण के विरुद्ध प्रस्तावित दंड पर सहमति की मांग की गई। बिहार लोक सेवा आयोग ने अपने पत्रांक 396, दिनांक 28 मई 2010 द्वारा सहमति प्रदान की है।

6. संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन तथा श्री भूषण, बि०प्र०से०, से प्राप्त अभ्यावेदन बिहार लोक सेवा आयोग, पटना से प्राप्त प्रस्ताव के समीक्षोपरांत बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 14 (VI) विभागीय संशोधित अधिसूचना संख्या 2797, दिनांक 20 अगस्त 2007 के आलोक में श्री भूषण, बि०प्र०से०, को संचयात्मक प्रभाव से तीन वेतन-वृद्धि रोकने संबंधी प्रस्ताव मंत्रिपरिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया गया। मंत्रिपरिषद् द्वारा श्री भूषण को संचयात्मक प्रभाव से तीन वेतन-वृद्धि रोकने संबंधी प्रस्ताव में सहमति प्रदान की गई है।

अतएव मंत्रिपरिषद् के निर्णय के आलोक में श्री भूषण को निम्नलिखित दण्ड संसूचित किया जाता है :-
संचयात्मक प्रभाव से तीन वेतन-वृद्धि की रोक।

आदेश :- आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति श्री रवि भूषण (बि०प्र०से०) एवं अन्य को दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
सिद्धनाथ राम,
सरकार के अवर सचिव ।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 37-571+10-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>